GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON

STUDENT-CENTRIC ACTIVITIES

2022-23

DEPARTMENT OF BOTANY

पत्रकारिता विभाग का वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष – 2022 – 23

स्थापना वर्ष – कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर से संबंद्ध एवं आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन रायपुर की अनुमति से शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में त्रि – वर्षीय बीएजेएमसी पाठ्यक्रम का संचालन सन् 2006 से हो रहा है।

पत्रकारिता आधुनिक सभ्यता का एक प्रमुख अंग के साथ हम कह सकते है व्यवसाय भी है, जिसमें समाचारों का एकत्रीकरण, लिखना, जानकारी एकत्रित करके पहुॅचाना, सम्पादित करना और सम्यक प्रस्तुतीकरण आदि सम्मिलित हैं। आज के युग में पत्रकारिता के भी अनेक माध्यम हो गये हैं – जैसे अखबार, पत्रिकायें, रेडियो, दूरदर्शन, वेब – पत्रकारिता आदि।

वर्तमान में मीडिया एक प्रभावकारी शक्ति के रूप में उभरा है। समकालीन प्रवृत्तियों यथा सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय विचारधाराओं को प्रतिबिम्बित और अभिव्यक्त करने की कला मीडिया की आधारभूमि है। किसी समाज या देश की लोक चेतना, राजनीतिक, सामाजिक उत्थान, पतन, साहित्यक – सांस्कृतिक परिस्थितियों के इतिहास को निर्धारित करने में मीडिया का अप्रतिम योगदान होता है।

महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग का प्रारंभ होना शिक्षा के क्षेत्र में एक नए आयाम की स्थापना है। सूचना क्रांति एवं तकनीकी के युग में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे वह प्रिंट मीडिया हो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या वेब मीडिया। यही कारण है कि आज लोग मीडिया की ओर आकर्षित है बीएजेएमसी पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया का ज्ञान प्राप्त कर पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

पाठ्यक्रम में प्रवेश – किसी भी संकाय से हायर सेकेंडरी (12वी) उत्तीर्ण विद्यार्थी बीएजेएमसी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। सन् 2006 से यह पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ है। बीएजेएमसी अर्थात् बीए पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम 6 सेमेस्टर में विभक्त है। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में निर्धारित सीटों की संख्या 50 है। वर्तमान में विभाग में कुल 78 विद्यार्थी अध्ययनरत् है।

कार्यरत् शिक्षक :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. बी.एन. जागृत (सहा. प्राध्यापक)

प्राध्यापक :– वर्तमान में तीन प्राध्यापक स्ववित्तीय शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं

नाम		शैक्षणिक योग्यता
1. श्री अमितेश सोनकर	–	BJMC, M.Sc(EM), M.A (Hindi) M.PHIL(M.S), DCA, PGDCA, Ph.D (Pursuing)
2. कु. विभा सिंह	–	BAJMC, M.Sc(EM)
3. श्री सेऊक दास	–	BAJMC, MJMC

विशेषता क्षेत्र :— BAJMC स्नातक उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर होते हैं मीडिया के पारंपरिक क्षेत्र के अध्ययन के अतिरिक्त हम रोजमर्रा के जीवन में मीडिया का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। किताबों से लेकर टेलीविजन तक और वीडियों गेम से लेकर इंटरनेट तक, सब कुछ मीडिया के ही अंतर्गत आता है। यहां तक कि हमारी दिनचर्या की शुरूआत ही सुबह अखबार पढ़ने से लेकर रात को टेलीविजन या सोशल मीडिया के संदेशों को चेक करने तक होती है।

टेलीविजन, अखबार, सोशल मीडिया, इंटरनेट, वेबसाइट, रेडियो, पत्र पत्रिकाएं आदि मीडिया के ही प्रमुख उदाहरण हैं। गौर करें तो इन सभी मीडिया के प्रमुख साधनों में सामग्री यानि कंटेन और उपकरण यानि Device शामिल होती है। जैसे टेलीविजन एक उपकरण है और उसके माध्यम से प्रसारित की जा रही सूचनाएं या मनोंरंजन एक सामग्री है।

मीडिया के न्यूट्रेंडस जैसे एडवेंचर जर्नलिज्म, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी, इंटरटेनमेंट जर्नलिज्म, इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म, टूरिज्म जर्नलिज्म एवं जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकते हैं। बीएजेएमसी उपाधि धारकों के लिए मीडिया का विस्तृत क्षेत्र रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए उपलब्ध है।

Vision

- लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की भूमिका का ज्ञान देना।
- विद्यार्थियों को जनंसचार एवं सूचना क्रांति के माध्यमों की जानकारी प्रदान करना।
- प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, समाचार रिर्पोटिंग के लिए सैंद्धांतिक, व्यावहारिक एवं तकनिकी स्तर पर विद्यार्थियों को कुशल बनाना।
- विद्यार्थियों को पत्रकारिता के मूल्यों की जानकारी देना।

Mission

- पत्रकारिता जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति विद्यार्थियों में रूचि पैदा करते हुए भविष्य के लिए अच्छे पत्रकार तैयार करना।
- विद्यार्थियों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सुनिश्चित करना।
- पत्रकारिता के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक हित कारी गति विधियों में संलग्न करना।
- मूल्य शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में पत्रकारिता के मूल्यों का समावेश करना।

Programme outcomes

01. जनसंचार माध्यमों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि उनकी वर्तमान स्थिति एवं उनकी सामाजिक भूमिका के बारे में छात्रों को जानकारी मिलती है जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

02. मीडिया जगत से जुडे विभिन्न सैद्धातिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से छात्रों को रुबरु कराया जाता है।

03. विद्यार्थियों को एकरिंग या होस्टिंग जैसी विधाओं के लिए बोलने की कला, समाचार, आलेख, स्तंभ निर्माण हेतु लेखन कला, ऐडिटिंग, डिजाइनिंग, रिपोर्टिंग आदि सिखाया जाता है।

04. डॉक्यूमेंट्री, शार्ट फिल्म, फीचर फिल्म, टीवी एवं रेडियों प्रोग्राम्स हेतु विडियोग्राफी, एडिटिंग आदि सिखाई जाती है।

05. फोटोग्राफी कला में विद्यार्थी को पारंगत करनें हेतु कैमरा ऑपरेटिंग एवं फोटोंगाफी के गुर सिखाए जाते है।

06. मीडिया से संबंधित विभिन्न कानूनों, वेब रिपोर्टिंग, सामाजिक एवं राजनितिक विषयों की जानकारी, सामाजिक मूल्यों की जानकारी,मीडिया प्रबंधन की जानकारी एवं राजनितिक विषयों की जानकारी एवं विभिन्न तकनीकी कलाओं का विकास विद्यार्थियों में किया जाना है।

Programme specific outcomes

01. विभिन्न मीडिया संस्थानों में बतौर रिपोर्टर, संवाददाता, संपादक, ब्यूरोचीफ आदि में रोजगार के अवसर।

02. फोटोग्राफर एवं वीडियों ग्राफर के रुप में रोजगार एवं स्वतंत्र व्यावसाय के अवसर।

03. फीलांस जर्नलिस्ट के रुप में जर्नलिस्ट के रूप में स्तंभकार एवं लेखक बनने की संभावनाएं।

04. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में न्यूजएंकर, न्यूज रीडर एवं प्रोग्राम होस्ट बनने की संभावनाएं।

05. रेडियों जॉकी एनांउनसर एवं कम्पेयर के रूप में कार्य करने के अवसर।

06. फिल्म इंडस्ट्रीं में पटकथा लेखक, फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं कलाकार बनने की संभावनाएं।

07. रंगमंच में बतौर कलाकार कार्य करने के अवसर।

08. वेब जर्नलिस्ट के क्षेत्र में ब्लॉग राइटर एवं वेब जर्नलिस्ट बनने की संभावनाएं।

09. मार्केटिंग विज्ञापन एवं जनसंर्पक के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं।

10. मीडिया शिक्षक के रूप में उच्च शिक्षा में अध्यापन कार्य की संभावनाएं।

Courese outcomes

BA(jmc)1st semester :-

01. हिन्दी भाषा पर विद्याथियों की पकड़ मजबूत होती है जिससे विद्याथियों के लेखन एवं वाक् कौशल का विकास होता है।

02. विद्यार्थी संचार की बारिकियों से अवगत होते हैं जिससे उनमें संचार कौशल का विकास होता है।

03. मूल्य शिक्षा के माध्यम से विद्याथिया में मानवीय मूल्यों का विकास होता है जो विद्याथियों में शिष्टाचार तथा चरित्र निर्माण में सहायक है।

04. विद्यार्थियों के राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर राजनितिक वातावरण की जानकारी मिलती है तथा विद्यार्थी देश की कानून व्यवस्था एवं संविधान से परिचित होते हैं।

05. विद्यार्थी शासन के विभिन्न अंगों, संसदीय कार्य प्रणाली मौलिक अधिकारों एवं कर्त्तव्यों, नीतियों एवं योजनाओं आदि से परिचित होते हैं।

06. छात्रों को भारतीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था की जानकारी मिलती है तथा छात्र बाजार नीतियों उत्पादक एवं उपभोक्ता अंर्तसंबधों आदि की जानकारी प्राप्त करते है।

BA(jmc)2nd semester :-

01. विद्यार्थियों में अग्रेजी भाषा बोलने एवं लिखने की समझ विकासित होती है।

02. प्रिंट मीडिया के इतिहास, विकास, प्रसार, कार्यप्रणाली, संभावनाओं एवं चुनौतियों के संबध में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

03. मूल्य शिक्षा के द्वारा छात्रों में सद्प्रवृत्तियों का विकास होता है तथा समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।

04. पर्यटन को बढावा देने में मीडिया की भूमिका से विद्यार्थी अवगत होते हैं।

05. छात्र जनजातीय संस्कृति (रहन—सहन, खान—पान, लोक परंपराएं) से परिचित होते हैं।

06. व्यावसायिक संगठनों की आंतरिक कार्यप्रणाली व्यवहार कार्यकरने का तरीका प्रबंध कौशल टीम वर्क आंतरिक संचार सिद्धांतों एवं वस्तुस्थिति से छात्र परिचित होते हैं।

BA(jmc)3rd semester :-

01. विद्यार्थियों को कम्प्यूटर का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है जिससे ये तकनीकी रूप से दक्ष होते हैं।

02. मनोवैज्ञानिक अध्ययन करने से छात्र व्यवहार कुशल होते हैं, और उनका नजरिया एवं वैज्ञानिक पक्ष मजबूत होता है।

03. भारतीय संविधान एवं मीडिया से संबंधित विभिन्न कानूनों की जानकारी प्राप्त होती है जिससे भविष्य में विद्यार्थी अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का सदुपयोंग कर सकें।

04. विद्यार्थियों में समाचार एवं अन्य लेखन की कला विकसित होती है।

05. फील्ड एवं डेस्क रिपोर्टिंग की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक कला विकसित होती है।

BA(jmc)4th semester :-

01. लोक माध्यमों एवं लोक कलाओं की जानकारी मिलती है। छात्र लोक परंपराओं से परिचित होते है।

02. छत्तीसगढी लोक संस्कृति की जानकारी छात्रों को मिलती है।

03. जनसंपर्क के क्षेत्र की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।

04. इलेक्ट्रॉनिक दृश्य–श्रव्य माध्यमों जैसे रेडियों एवं टेलिविजन के इतिहास प्रसार कार्य प्रणाली सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष से परिचित होकर विद्यार्थी तकनीकी रूप से दक्ष होते हैं। वाक् कौशल एवं लेखन का विकास होता है।

05. ग्रामीण एवं क्षेत्रीय सामुदायिक संस्कृति से विद्यार्थी परिचित होते हैं तथा सामुदायिक विकास से परिचित होते हैं तथा सामुदायिक विकास का अध्ययन करते है।

06. फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की कला में व्यावहारिक एवं तकनीकी दक्षता विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।

BA(jmc)5th semester :-

01. छात्रों को पुरातन एवं आधुनिक सामजिक संरचना की जानकारी प्राप्त होती है सामाजिक परिवर्तनों समाजिक व्यवहार आदि से छात्र परिचित होते हैं।

02. विद्यार्थी विज्ञापन की दुनिया से परिचित होते हैं। विज्ञापन जगत के सैद्धातिक एवं व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी मिलती है।

03. विभिन्न सामयिक, सामाजिक, राजनैतिक मुद्दों जनान्दोलनो वैश्विक समस्याओं, मीडिया की रणनीति एवं सामाजिक भूमिका आदि की जानकारी छात्रों को दी जाती है।

04. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तकनीकी पहलुओं जैसे डिजाइन, पेजमेकिंग, साउंड, वीडियों एवं टेक्स्ट एडिटिंग, फोटो एडिटिंग लेआउट डिजाइनिंग आदि विधाओं में विद्यार्थी पारंगत हो सकतें हैं।

05. विद्यार्थी संपादन कला में पारंगत होने हेतु आवश्यक ज्ञान अर्जित करते हैं।

BA(jmc)6th semester :-

01. राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी मिलती है।

02. मीडिया प्रबंधन अर्थात मीडिया संस्थानों की आंतरिक संगठनात्मक संरचना, कार्यप्रणाली, मार्केटिंग, प्रसार, संगठनात्मक प्रबंध, चुनौतियॉ, कार्य विभाजन, मूल्य निर्धारण नियुक्यॉ, वेतन, नीतियॉ आदि से छात्र परिचित होते हैं।

03. वेब पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी छात्रों कों देकर उन्हें तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है।

04. रेडियों एवं टीवी प्रोडक्शन की बारिकियों से छात्र रुबरु होते है।

वैल्यू एडेड़ कोर्स :–

पत्रकारिता विभाग के द्वारा वैल्यू एडेड़ कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोंग्राफी प्रशिक्षण प्रमाण – पत्र कोर्स का अध्यापन काराया जाता है जिसमें महाविद्यालय के किसी भी संकाय के विद्यार्थी प्रवेश लेकर प्रशिक्षण प्रमाण – पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इस सत्र 40 विद्यार्थियों ने इस कोर्स का लाभ लिया।

कोर्स के दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष कैनन कंपनी से श्री योगेश ठाकुर जी – बिजनेस मैनेजर, श्री नरेंद्र राठौर जी – प्रशिक्षक, श्री सुरज यादव जी – कैमरा मैन (एक्सर्पट), श्री नीतिन कुमार ठाकुर जी – कैमरामैन (एक्सर्पट) व विभागीय शिक्षकों के द्वारा पंजीकृत छात्र – छात्राएं लाभान्वित हुए।

Programme specific outcomes

- ❖ फोटोग्राफी में रचनात्मक कैरियर निर्माण के अवसर।
- ❖ फोटो एडिटिंग, विडियो एडिटिंग, एडिटिंग प्रोसेस आदि के बारे में जानकारी के अवसर।
- ❖ कौशल विकास की संभावनाएं।
- ❖ विभिन्न मीडिया संस्थानों में बतौर कैमरामैन, रिपोर्टर, संवाददाता, संपादक, ब्यूरोचीफ आदि में रोजगार के अवसर।
- ❖ फ्रीलांस फोटोग्राफ या व्यावसायिक फोटोग्राफरों के रूप मे तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ तैयार करने की संभावनाएं।
- ❖ फोटोग्राफी कला सीखकर इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं।
- ❖ फोटोग्राफी पत्रकारिता का एक विशेष माध्यम हैं। कई बार जो भाव शब्दों से अभिव्यक्त नहीं हो पाता वह फोटो से दिख जाता है। इसीलिए कहा जाता है ''शब्द नहीं चित्र''।
- ❖ फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के रूप में रोजगार एवं स्वतंत्र व्यावसाय के अवसर।
- ❖ फोटोग्राफर एवं वीडियो ग्राफर के तौर पर मार्केटिंग विज्ञापन एवं जनसंर्पक के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं।

Programme outcomes

- ❖ आउटडोर फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी के बारे में छात्रों को जानकारी मिलती है जिससे उनके रचनात्मक कैरियर का निर्माण होता है।
- ❖ कैमरे की नवीन विधाएं, चुनौतियॉ एवं संभावनाओं के साथ – साथ विडियो ग्राफी के गुणों के बारे में जानकारी दी जाती है।
- ❖ मीडिया जगत से जुडे विभिन्न सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से छात्रों को रूबरू कराया जाता है।
- ❖ विद्यार्थियों को फोटो एडिटिंग, विडियो एडिटिंग, एडिटिंग प्रोसेस आदि सिखाया जाता है।
- ❖ इस प्रशिक्षण से हमारे कई विद्यार्थी लाभान्वित हुएं। वे फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी के जरिए अपना जीवनयापन कर रहे हैं।

पाठ्यक्रम योजना एवं पाठ्यक्रम गतिविधियां कार्यान्वयन :–

01. बीएजेएमसी त्रिवर्षीय छः सेमेस्टर में विभाजित पाठ्यक्रम है।
02. कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के अनुसार पाठ्यक्रम का निर्धारण होता है।
03. प्रत्येक सेमेस्टर के अनुसार पाठ्यक्रम के आधर पर मासिक योजना तैयार की जाती है तथा समय सारणी बनाई जाती है।
04. आंतरिक मूल्यांकंन एवं वाईवा तथा प्रोजेक्ट कार्य कराये जाते है।
05. पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रायोगिक कार्य कराया जाता है।
06. विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में आयोजित संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं में विद्याथियों की सहभागिता कराई जाती है।
07. महाविद्यालय से ***''दिग्विजय कैंपस''*** त्रैमासिक समाचार पत्र का प्रकाशन किया जाता है। विभागाध्यक्ष के प्रधान संपाकदत्व एवं विभागीय शिक्षको के संपादन में यह समाचार पत्र ***''दिग्विजय कैंपस''*** का प्रकाशन विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण की तरह होता है, जिसके लिए रिर्पोटिग का कार्य बीएजेएमसी के विद्यार्थी करते हैं।
08. महाविद्यालय से ***''दिग्विजय कैंपस''*** त्रैमासिक समाचार पत्र का 12 अंको का प्रकाशन हो चुका है तथा अगले अंक की तैयारी की जा रही है।
09. विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं विस्तार कार्यक्रम कराया जाता है।
10. वैल्यू एडेड कोर्स के तहत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी का प्रशिक्षण, कार्यशाला का आयोजन।
11. विभिन्न दिवसों पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

12. समूह चर्चा के अतिरिक्त, विद्यार्थियों के कुशलता को विकसित करने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।
13. अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ इन्टरक्सन हो, उन महाविद्यालयों की गतिविधियों एवं उनके कार्य व्यवहार को समझने – समझाने के लिए MOU प्रोग्राम के तहत विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का भ्रमण के साथ – साथ वहां आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता करायी जाती है।

मूल्यांकन विधि एवं सुधार :–

01. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन लिया जाता है। सेमिनार एवं प्रजेन्टेशन कराया जाता है। सेमीनार में पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देते हैं।
02. विभिन्न समसामयिक घटनाओं पर सामूहिक चर्चा करायी जाती है। जिसमें उनके व्यक्तित्व का विकास एवं लरनिंग क्षमता का विकास होता है।
03. प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रनिक मीडिया का भ्रमण कराया जाता है।
04. विभिन्न विधियों के प्रयोग से विद्यार्थियों के प्रदर्शन में निखार आया है।
05. एनसीसी, एनएसएस एवं सांस्कृतिक क्रियाकलाप में उनकी सहभागिता बढ़ी है।
06. शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दूरदर्शन केंद्र रायपुर का भ्रमण किया एवं विद्यार्थियों ने दूरर्दशन की कार्यप्रणाली देखी।

अधोसंरचना एवं सीखने के भौतिक संसाधन :–

- ❖ विद्यार्थियों के लिए विभागीय ग्रंथालय की सुविधा है।
- ❖ कम्प्यूटर की सुविधा है। जिससे छात्र संपादक, समाचार लेखन एवं डिजाइनिंग आदि के कार्य सीखते है।
- ❖ समय – समय पर विद्याथियों को विभाग से कैमरा प्रदान किया जाता है।
- ❖ विस्तार गतिविधि कार्यक्रम एवं शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है। इस सत्र में सबेरा संकेत प्रिंट मीडिया एवं दूरदर्शन केंद्र रायपुर का भ्रमण कराकर उन्हें जानकारी प्रदान की गई।
- ❖ शिक्षक – पालक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

इंटर्नशिप :– विद्यार्थियों को प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रनिक मीडिया के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष उन्हें मीडिया संस्थानों में इंटर्नशिप हेतु भेजा जाता है।

- ➢ समाचार पत्र समूहों एवं उद्योग संस्थानों में भी छात्र/छात्राये इन्टरनशिप करते है।
- ➢ माईक पर बोलने की, मंच पर प्रस्तुति देने की झिझक दूर करने के लिए विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संचालन का दायित्व विद्यार्थियों को दिया जाता है।

पत्रकारिता के छात्र – छात्राएं अध्यापन के साथ – साथ अन्य गतिविधि में शामिल विद्यार्थी की जानकारी :–

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	सर्टीफिकेट	अन्य अवार्ड / गतिविधियां
01.	चिरंजीवी	NCC - BC	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता (राजनांदगांव) ❖ हर – घर तिंरगा कार्यक्रम में सहभागिता ❖ पुनीत संकल्प कार्यक्रम में शामिल ❖ CATC–XVII/RDC - I कैंप, रायपुर ❖ आर्मी अटैंचमेंट कैप ग्वालियर (म.प्र)
02.	मधुषूधन	NCC - BC	❖ TSC कैंप बिलासपुर ❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ आर्मी अटैंचमेंट कैप ग्वालियर (म.प्र)
03.	मुकेश	NCC - BC	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ आर्मी अटैंचमेंट कैप ग्वालियर (म.प्र)
04.	रामचरण	NCC - BC	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ आर्मी अटैंचमेंट कैप ग्वालियर (म.प्र)
05.	कविता	NCC - BC	–––––
06.	योगिता	NCC - BC	–––––
07.	डेविड	NCC - B	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता
08.	हिरामन	NCC - B	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ NCC कैंप DPS राजनांदगांव ❖ पुनीत संकल्प कार्यक्रम में शामिल
09.	वेद कुमार	NCC - B	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ NCC कैंप DPS राजनांदगांव
10.	कीर्तन वर्मा	NCC – B	❖ NCC कैंप DPS राजनांदगांव ❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता
11.	महेन्द्र कुमार	NCC – B	❖ CATC कैंप, रायपुर
12.	यानेश कुमार	NSS - B	❖ आपदा प्रबंधन कैंप, बरगा ❖ सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम घोरदा
13.	अखिलेश खोब्रगड़े		❖ सबेरा संकेत समाचार पत्र में कार्यरत् ❖ राष्ट्रीय न्यूज चैनल न्यूज नेशन में जिला संवाददाता ❖ मासिक समाचार पत्र प्रकाशन ''ओन्ली'' नेशन का स्वयं के द्वारा प्रकाशन ❖ यूट्यूब चैलन स्वयं के द्वारा संचालन
14.	ओमश्वरी	NCC – AB	❖ 15 अगस्त परेड में सहभागिता ❖ NCC कैंप आंरग
15.	अदिति राजपूत	NCC – AB	❖ NCC कैंप DPS राजनांदगांव ❖ भूतपूर्व सैनिक कल्याण संगठन, से सम्मान
16.	अंजली	नेशनल	❖ नेशनल रनिंग, नागपुर
17.	ईला, कविता, चुनेश्वरी, रोशन, रूबिना, रोशन, दीप रामटेके और विक्रम वर्मा		❖ यूट्यूब चैलन स्वयं के द्वारा संचालन

सत्र 2022 – 2023 में विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

01

दिनांक – 04.07.2022

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के मार्गदर्शन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित नेशनल हेल्प लाईन सेंटर 14567, में FRO के तौर पर श्री मति पारूल पाण्डेय उपस्थित थी। जिसमें भारत सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेशन का सोशल डिफेंस, नई दिल्ली द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए ***''नेशनल हेल्प लाईन सेंटर – 14567''*** का संचालन राज्य में किया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। जिस पर कॉल कर वरिष्ठ नागरिक अपनी शिकायत, समस्या दर्ज करा कर समस्यायों का समाधान पा सकते है, यह पहल बहुत सराहनीय है निश्चित तौर उनका लाभ वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाला है।

अतिथि श्रीमति पारूल पाण्डेय ने कहा ***''एल्डर लाइन''*** वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहला अखिल भारतीय टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 28 सितंबर, 2021 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए पहली टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर 14567 एल्डर लाइन जारी किया। वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर को ***''एल्डर लाइन''*** कहा जाता है। वरिष्ठ नागरिक का हेल्पलाइन नंबर पेंशन और कानूनी मुद्दों पर मुफ्त जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करेगा, दुर्व्यवहार के मामलों में हस्तक्षेप करेगा, और भावनात्मक समर्थन प्रदान करेगा। कोविड–19 महामारी के साथ, बुजुर्ग आबादी को सामाजिक अलगाव, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और आर्थिक तंगी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

दिनांक – 14.07.2022

आने वाली पीढ़ी को दे अच्छा वातावरण : डॉ. जागृत

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर की उपस्थिति में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़ – पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया। वृक्षारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

राजनांदगांव (वि.)। दिग्विजय महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण्–संवर्धन के लिए पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लिया गया। वहीं लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने की अपील की गई।

प्रभारी प्राचार्य डा.अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़– पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया। पौधारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। विभागाध्यक्ष डा.बी नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए, प्रदूषण कम करने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को, प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करना चाहिए और सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों में फलदार–छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाएं। इस दौरान अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा मौजूद रहे।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण कम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों में फलदार–छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को हम एक अच्छा वातावरण दे सकें। पत्रकारिता विभाग द्वारा सृजन संवाद कैंपस के सामने गुड़हल, अनार, बादाम जैसे फलदार, छायादार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, लोकेश शर्मा एवं पत्रकारिता विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

नवभारत 15/7/22

दिग्विजय कॉलेज में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत रिपोर्टर राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन, प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर की उपस्थिति में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा पौधा-रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने मनुष्य जीवन मे पेड़ - पौधों की अनिवार्यता तथा उसके महत्व को बताया. वृक्षारोपण अभियान में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित होकर पौधे की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए. विभागाध्यक्ष डॉ. बी.नंदा जागृत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदूषण कम होना और सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, स्कूलों, उद्योग, आंगनबाड़ी केंद्रों, रिहायशी इलाकों में फलदार-छायादार पेड़ लगाएं तो वहीं सड़क किनारे और डिवाइडर्स पर प्रदूषण शोषक पेड़ लगाए ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को हम एक अच्छा वातावरण दे सकें. पत्रकारिता विभाग द्वारा सृजन संवाद कैंपस के सामने गुड़हल, अनार, बादाम जैसे फलदार, छायादार पौधे रोपित किए गए. कार्यक्रम में अतिथि व्याख्याता अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा उपस्थित रहे.

दिनांक – 21.07.2022

फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

- पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक – प्राचार्य डॉ. टांडेकर
- फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जरूरी – प्राचार्य डॉ. टांडेकर

प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कोर्स के अन्तर्गत् आयोजित फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ।

प्राचार्य महोदय के मुख्य आतिथ्य एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे की पूजा से हुई डॉ. जागृत ने प्राचार्य महोदय का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात् प्रशिक्षण में सहभागी विद्यार्थियों, धनंजय देवांगन, भारती वर्मा एव लिंकी साहू ने इस प्रशिक्षण के अपने – अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर होते रहना चाहिए इस प्रोग्राम में मुम्बई से प्रशिक्षित विषेशज्ञों एवं प्रसिद्ध कंपनी 'केनन' के विषेशज्ञों के द्वारा आउटडोर एवं इनडोर फोटोग्राफी पर कैमरे के विभिन्न अंगों का उपयोग, प्रत्येक एंगल से फोटोग्राफी का सही तरीका, लैंस का उपयोग जैसे बहुत सी बारीकियों को जानने और सीखने को मिला इसका हमें बहुत ही लाभ हुआ इसके लिए उन्होंने प्राचार्य महोदय एवं पत्रकारिता विभाग का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ के एल टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी

का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के कोर्स में हमने यूजी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ ही पी.जी. ...एम.जे.एम.सी... का पाठ्यक्रम खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा है ताकि यहां के विद्यार्थी इस फील्ड में अपनी उच्च शिक्षा इसी महाविद्यालय से प्राप्त कर सकें। इस बात का विद्यार्थियों ने अत्यन्त हर्ष और उत्साह के साथ करतल ध्वनि से जोरदार समर्थन किया।

नवभारत 23/7/22

पत्रकारिता विभाग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवभारत रिपोर्टर ◆ राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शा.दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कार्स के अन्तर्गत् आयोजित त्रैमासिक फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ.

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है.

डॉ. बीएन जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई - नई टेकनीक उपयोग हो रहे हैं. सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी - कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते हैं. त्रैमासिक प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो. इस बार भी बीएजेएमसी के साथ बीएससी बीकॉम, बीए एमए इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की.

डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई – नई टेकनीक उपयोग हो रहे हैं। सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी – कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते हैं। इस प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो। इस बार भी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ बी.एस.सी. बी. कॉम., बी.ए., एम.ए. इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की।

प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– हर्ष कुमार बी.एस. सी, द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान संतोष कुमार साहू बी.ए.जे.एम.सी. पंचम सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान लोकेश कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष रहें। इन्हें प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रेशमी साहू ने किया एवं व्याख्याता लोकेश शर्मा सहित इस अवसर पर बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दावा 25/7/22

पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक - प्राचार्य डॉ के.एल.टाण्डेकर

पत्रकारिता विभाग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरित

राजनांदगांव (दावा)। शा.दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. के.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के निर्देशन तथा विभागीय व्याख्याताओं अमितेश सोनकर, सुश्री रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा के सहयोग से पत्रकारिता विभाग में वेल्यू एडेड कार्स के अन्तर्गत् आयोजित त्रैमासिक फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम सृजन संवाद भवन में आयोजित हुआ। प्राचार्य के मुख्य आतिथ्य एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां शारदे की पूजा से हुई डॉ. जागृत ने प्राचार्य डॉ. टांडेकर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

तत्पश्चात् प्रशिक्षण में सहभागी विद्यार्थियों धनंजय देवांगन, भारती वर्मा एवं लिंकी साहू ने इस प्रशिक्षण के अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर होते रहना चाहिए इस प्रोग्राम में मुम्बई से प्रशिक्षित विशेषज्ञों एवं प्रसिद्ध कंपनी 'केनन' के विशेषज्ञों के द्वारा आउटडोर एवं इनडोर फोटोग्राफी पर कैमरे के विभिन्न अंगों का उपयोग, प्रत्येक एंगल से फोटोग्राफी का सही तरीका, लैंस का उपयोग जैसे बहुत सी बारीकियों को जानने और सीखने को मिला इसका हमें बहुत ही लाभ हुआ इसके लिए उन्होंने प्राचार्य एवं पत्रकारिता विभाग का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को फोटोग्राफी का सूक्ष्म ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने 'अकाल और भूखे बच्चे के साथ चील' वाली फोटोग्राफी का जिक्र करते हुए समझाया कि आज के युग में फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी स्वरोजगार का अच्छा साधन है परंतु फोटोग्राफी करते समय भी मानवता का ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता के कोर्स में हमने यूजी (बी.ए.जे.एम.सी) के साथ ही पी.जी. (एम.जे.एम.सी) का पाठ्यक्रम खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा है ताकि यहां के विद्यार्थी इस फील्ड में अपनी उच्च शिक्षा इसी महाविद्यालय से प्राप्त कर सकें। इस बात का विद्यार्थियों ने अत्यन्त हर्ष और उत्साह के साथ करतल ध्वनि से जोरदार समर्थन किया।

डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी और विडियोग्राफी में आज कल नई - नई टेकनीक उपयोग हो रहे है। सुंदर को कुरुप और कुरुप को सुंदर बनाने की टेकनीक इस फोटोग्राफी में आ गई है जिसका लोग कभी - कभी अपने लाभ के लिए गलत उपयोग करते हैं। त्रैमासिक प्रशिक्षण में हमारा प्रयास होता है कि न केवल पत्रकारिता बल्कि महाविद्यालय के अन्य फैकेल्टी के विद्यार्थी इसमें सहभागी हो। इस बार भी बी.ए.जे.एम.सी. के साथ बी.एस.सी. बी.कॉम., बी.ए. एम.ए.इतिहास के विद्यार्थियों ने भी इसमें सहभागिता की।

प्रशिक्षण एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य महोदय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- हर्ष कुमार बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान संतोश कुमार साहू बी.ए.जे.एम.सी. पंचम सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान लोकेश कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष रहे। इन्हें प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रेशमी साहू ने किया एवं व्याख्याता लोकेश शर्मा सहित इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक – 29.09.2023

नवप्रवेशित छात्र – छात्राओं का किया स्वागत

- **वर्तमान समय में महिला पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है : प्राचार्य डॉ. टांडेकर**

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय, के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर, विशिष्ट अतिथि पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत थे। स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर, विभा सिंह व सेऊक दास की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना, राजकीय गीत से हुई। अतिथि का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया गया।

मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता एक समाज निर्माण का स्वरूप है ऐसे में कलम के सिपाही इसका उपयोग समाज के विकास के लिए करें तो देश का निर्माण होगा वहीं आप सभी आज के युवा हैं और कल देश के जिम्मेदार नागरिक होंगे। पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाएं भी भाग लेती हैं। महिला पत्रकारों को सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान कर अपनी प्रतिभा दिखाना चाहिए। वर्तमान समय में महिला संपादकों, पत्रकारों, खेल विश्लेषकों और टेलीविजन न्यूज एकंर के रुप में काम कर रहीं हैं।

4/10/22

पत्रकारिता समाज निर्माण का स्वरूप : टांडेकर

नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत किया गया। ● कालेज प्रबंधन

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डा.केएल टांडेकर थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा.बीएन जागृत, व्याख्याता अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सिविक दास उपस्थित रहे। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि पत्रकारिता एक समाज निर्माण का स्वरूप है ऐसे में कलम के सिपाही इसका उपयोग समाज के विकास के लिए करें तो देश का निर्माण होगा। वहीं आप सभी आज के युवा हैं और कल देश के जिम्मेदार नागरिक होंगे। पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाएं वे व्यक्ति हैं जो पत्रकारिता में भाग लेती हैं। वे महिला पत्रकारों को सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान कर अत्यंत प्रतिभाशाली बनें और वर्तमान समय में तो महिला संपादकों, पत्रकारों, खेल विश्लेषकों और टेलीविजन न्यूज एंकर के रूप में काम कर रही है।

डा.केएल टांडेकर। ● कालेज प्रबंधन

पत्रकारिता में शानदार कैरियर: पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा.बीएन जागृत ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यापक है। कोर्स के अध्ययन के लिए उम्र के बंधन खत्म होने से पत्रकारिता जगत से जुड़े लोग भी इस पाठ्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। शहर के प्रतिष्ठित और सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय की लिस्ट में शुमार है। क्योंकि महाविद्यालय में न सिर्फ पढ़ाई बल्कि खेल-कूद और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व दिया जाता है।

तिलक लगाकर किया स्वागत

अमितेश सोनकर ने कहा कि पत्रकारिता एक विशेष कोर्स है जिस उद्देश्य से प्रवेश लिए है उन उद्देश्यों को आवश्य पूर्ण करें और विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करें। विभा सिंह और सिविक दास ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि राजनांदगांव की पत्रकारिता सबसे पुरानी है। यहीं से ही अखबार प्रकाशित होता था लेकिन लिखित रुप जानकारी नहीं होने के वजह से छत्तीसगढ़ मित्र को प्रथम अखबार माना जाता है। पत्रकारिता के विद्यार्थी ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जो व्यापक है। कोर्स के अध्ययन के लिए उम्र का बंधन खत्म होने सें पत्रकारिता जगत से जुड़े लोग भी इस पाठ्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। हमारा महाविद्यालय शहर के प्रतिष्ठित और सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय की लिस्ट में शुमार है क्योकि महाविद्यालय में न सिर्फ पढाई बल्कि खेल – कूद और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को भी महत्व दिया जाता है, और छात्रों को उनके बेहतर भविष्य के लिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर छात्र अपना

करियर बनाने में सफल होते हैं। इसके साथ ही अनुशासित माहौल होने से और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

अमितेश सोनकर ने कहा कि पत्रकारिता एक विशेष कोर्स है जिस उद्देश्य से प्रवेश लिए हैं, उन उद्देश्यों को आवश्य पूर्ण करें और विश्वविद्यालय स्तर पर गोल्ड मेडल प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन करें। वही विभा सिंह और सेऊक दास ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि राजनांदगांव की पत्रकारिता बहुत सबसे पुरानी है यहीं से बहुत पहले अखबार प्रकाशित होता था लेकिन लिखित रूप जानकारी नहीं होने की वजह से छत्तीसगढ़ मित्र को प्रथम अखबार मना जाता है।

इस अवसर पर पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने नवप्रवेशित छात्र – छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम, पांरपरिक गीत, संगीत सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसकी अतिथियों ने सराहना करते हुए आगे भी इस तरह के कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन पंचम सेमेसटर छात्र टामेश वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन खिलेश्वर सिन्हा ने किया।

दिनांक – 07.11.2022

पत्रकारिता विभाग में अतिथि व्याख्यान आयोजित

फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कोर्स का शुभारंभ...

विषय से जुड़े प्रशिक्षित पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है : प्राचार्य, डॉ. टांडेकर

गलत खबरे और दुष्प्रचार से बचे : श्री बिचित्रानंदा पंडा

प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का शुभारंभ एवं अतिथि व्याख्यान आयोजित की गई। व्याख्यान के मुख्य अतिथि एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.), सहायक प्राध्यापक श्री बिचित्रानंदा पंडा, उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि समाननीय प्रो. श्री पंडा ने विद्यार्थियों को डेटा जर्नलिज़्म, डेटा वेरीफिकेशन एंड विजुवल वेरीफिकेशन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि फोटोग्राफी के माध्यम से कैसे गलत खबरों को लोगों के पास शेयर कर रहे है इन फोटोग्राफस को इतनी बारीकी से संपादित किया जाता है जिसे समान्य व्यक्ति पहचान नहीं पाता और लोगों के बीच उसे सच मानकर साझा कर देते हैं। इससे समाज में गलत खबरे फैल जाती है। जिसकी जॉच के लिए, गुगल लैंस वीआईडी के आधार पर सत्यापन किया जा सकता है साथ ही भ्रामक जानकारी को रोका जा सकता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने पत्रकारिता को अन्य कोर्स से हट कर विशिष्ट बताते हुए कहा कि पत्रकारिता के सभी क्षेत्र में विषय में दक्ष, पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है। जिससे समाज को सही दिशा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रयोगधर्मी बनने का आह्वान किया व विद्यार्थियों को अखबार पढ़ने एवं अभी से समाचार पत्रों में लिखने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कहा कि वर्तमान युग में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का महत्व बढ़ गया है पत्रकारिता के साथ – साथ लोग अपने छोटे – बड़े आयोजनों में इसका उपयोग कर रहे हैं। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन कुमारी विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने

में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

पत्रिका 10/11/22

पत्रकारिता विभाग में अतिथि व्याख्यान

गलत खबरें और दुष्प्रचार से बचें खुद को हमेशा अपडेट रखें-पंडा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज के पत्रकारिता विभाग में वैल्यूएडेड कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कोर्स का शुभारंभ एवं अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर (छग), सहायक प्राध्यापक बिचित्रानंदा पंडा उपस्थित रहे।

उन्होंने डेटा जर्नलिज्म, डेटा वेरीफिकेशन एंड विजुवल वेरीफिकेशन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि फोटोग्राफी के माध्यम से कैसे गलत खबरों को लोगों के पास शेयर कर रहे हैं। इसे इतनी बारीकी से संपादित किया जाता है, जिसे सामान्य व्यक्ति पहचान नहीं पाता और लोगों के बीच उसे सच मानकर साझा कर देते हैं। इससे समाज में गलत खबरें फैल जाती हैं। जिसकी जांच के लिए गुगल लैंस वीआईडी के आधार पर सत्यापन किया जा सकता है साथ ही भ्रामक जानकारी को रोका जा सकता है।

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि पत्रकारिता के सभी क्षेत्र में विषय से जुड़े प्रशिक्षित पत्रकार का होना महत्वपूर्ण है, जिससे समाज को सही दिशा मिलती है। विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने कहा कि वर्तमान युग में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का महत्व बढ़ गया है। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सौनकर ने किया।

दिनांक – 5 नवंबर 2022

आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण का आयोजन

▪ फोटो लेते समय कंपोजीशन का ध्यान रखें : नितिन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण के लिए स्पेशल ट्रेनर के रूप में वर्धा से पोस्ट ग्रेजुएट, प्रोफेशनल कैमरामैन, नितिन ठाकुर को आमंत्रित किया गया। गौरव पथ स्थित ऊर्जा पार्क में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी आज के समय में हमारे जीवन का एक बहुत ही खास हिस्सा बन गया है। इसका इस्तेमाल पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ हर जगह है। वहीं डॉ. जागृत ने वीडियोंग्राफी और फोटोग्राफी को रोजगार की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है बताते हुए कहा कि फोटोग्राफी के द्वारा एक व्यक्ति को अपने अंदर छुपी हुई कला और क्रिएटिविटी को लोगों के सामने लाने का एक अच्छा अवसर मिलता है। इसे व्यावासय के रूप में देखा जाये तो फोटोग्राफी का इस्तेमाल किसी प्रोडक्ट प्रचार के लिए भी किया जाता है ताकि प्रोडक्ट का मर्केटिंग अच्छे से किया जा सके।

आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण का आयोजन, फोटो लेते समय कंपोजीशन का ध्यान रखें : नितिन - XREPORTER

- **वीडियोग्राफी फोटोग्राफी रोजगार की दृष्टि से है महत्वपूर्ण : डॉ. जागृत**

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा संचालित वैल्यू ऐडेड कोर्स वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी प्रशिक्षण के अंतर्गत आउटडोर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रशिक्षण के लिए स्पेशल ट्रेनर के रूप में वर्धा से पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल कैमरामैन नितिन कुमार ठाकुर की उपस्थिति में गौरव पथ स्थित ऊर्जा पार्क में सम्पन्न हुआ।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत ने कहा कि फोटोग्राफी आज के समय में हमारे जीवन का एक बहुत ही खास हिस्सा बन गया है। इसके इस्तेमाल पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ हर जगह है। वहीं डॉ. जागृत ने वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी रोजगार की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है बताते हुए कहा कि फ़ोटोग्राफी के द्वारा एक व्यक्ति को अपने अंदर छुपी हुई कला और क्रिएटिविटी को लोगों के सामने लाने का एक अच्छा माध्यम है। इसे व्यवसाय के क्षेत्र में देखा जाये तो फ़ोटोग्राफी का इस्तेमाल किसी प्रोडक्ट तस्वीर शूटिंग के लिए किया जाता है ताकि उस प्रोडक्ट का मर्केटिंग अच्छे से किया जा सके।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के लिए प्रैक्टिकल करना बहुत ही महत्वपूर्ण जो कि आज कैमरा मैनुअल सेटिंग, आईएसओ, शटर स्पीड जैसे कई बरकियों के बारे में जानने को मिलेंगे।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के लिए पेक्टिकल करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज कैमरा मैनुअल सेटिंग, आईएसओं, शटर स्पीड जैसे कई बरीकियों के बारे में आपको जानने को मिलेगा।

दिनांक – 30 नवंबर 2022

पत्रकारिता के छात्र –छात्राओं नें किया छत्तीसगढ़ी ओलपिंक विषय पर समूह चर्चा

❖ देश की उपलब्धि को दर्शाने में ओलपिंक की महत्वपूर्ण भूमिका

07

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास व तार्किकता को जाननें के उद्देश्य से 30 नवंबर को ***''छत्तीसगढ़ी ओलपिंक''*** विषय पर समूह चर्चा अयोजित की गई।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने छत्तीसगढ़ की जनता में बहुत ही ललक व उत्सुक्ता कि बात कहते हुए बताया कि खेल, महज खेल नहीं है, ये संस्कृति के प्रति जुड़ाव है। वहीं विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए जानकारी दी कि सभी आयुवर्ग के प्रतिभागी इसमें सम्मिलित हो रहे हैं । सभी वर्ग के लोग बढ़ – चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं साथ ही देखने को मिला कि किस तरह 60 वर्ष की बुर्जुग महिला ने फुगड़ी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

स्ववित्तिय व्यख्याता अमितेश सोनकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ी ओलपिंक बहुत ही अच्छा आयोजन है इस आयोजन से हर वर्ग के लोगों की प्रतिभा निखर कर सामने आयी और नई पहचान एवं मंच प्राप्त हुआ। स्ववित्तिय व्यख्याता विभा सिंह ने कहा ऑनलाइन के कारण खेल जो उंगलियों में सिमट कर रह गये थे उसे शारीरिक रूप से शामिल करने में इस ओलपिंक कि महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्ववित्तिय व्यख्याता सेऊक दास ने कहा कि इस ओलपिंक का लाभ तब होगा जब अंतराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के लिखाड़ी खेलेगें और मेडल लायेंगे। पत्रकारिता के छात्र –छात्राओं नें चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ी ओलपिंक विषय की खूबी व खामियॉ दोनों पक्षों पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की उपलब्धि को दर्शाने में ओलपिंक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिसके लिए प्रतिभागी कड़ी मेहनत करते है, जिससे खेलों के प्रति उत्साह बढ़ रहा है क्षेत्रीय से राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय खेलों तक जाने का मार्ग खुलेगा। साथ ही यह भी बात सामने आयी कि खेल के लिए बनाई गई कमेटी में सरकार का हस्तक्षेप ना हो कर प्रोफेशनल लोगों को शामिल किया जाए तो खिलाडियों को अच्छी सुविधा मिल सकती है। छत्तीसगढ़ी खेल विलुप्त हो रहे हैं इस आयोजन से पुनः खेल के प्रति ध्यान केन्द्रित हो रहे है। इसमें हर वर्ग के खिलाडियों को सामने आने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक संस्कृति के प्रति है जुड़ाव : डा. बीएन जागृत

विद्यार्थियों ने रखे अपने विचार

अंतः निष्कर्ष के रूप में सामने आया कि इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए लेकिन सुधार के साथ जिससे राज्यों कि नई प्रतिभा देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करायी।

08

दिनांक – 29.11.2022

राष्ट्रीय पत्रकारिता और विश्व टेलिविजन दिवस

• हम शब्दों की पूजा करते हैं : सचिन अग्रहरि

प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस और विश्व टेलिविजन दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमे मुख्य अतिथि, हरिभूमि, ब्यूरो चीफ राजनांदगांव (प्रेस क्लब अध्यक्ष राजनांदगांव) श्री सचिन अग्रहरि जी थे।

मुख्य अतिथि सचिन अग्रहरि ने प्रिंट मीडिया को एक लिखित दस्तावेज बताया टेलिविजन के अपेक्षा प्रिंट मीडिया ज्यादा विश्वनीय है। हम पत्रकार शब्दों को पूजते हैं। हमारे शब्द आने वाले समय का इतिहास बनेगें। आज का पत्र कल का इतिहास है। अग्रहरि ने कहा कि पत्रकारिता में चुनौतीयां एवं दबाव दोनों होते हैं पर पत्रकार को निष्पक्ष हो कर बेबाक खबरों को पाठक तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने आज पत्रकारिता के व्यावसायीकरण का कारण पाठक को बताया, क्योंकि वे सस्ते दरों में समाचार की उम्मीद करते हैं। विद्यार्थियों से सवाल जवाब करते हुए उनके जिज्ञासाओं का समाधान किया। साथ ही आग्रह किया कि प्रतिदिन समाचार पत्र पढियें, लिखिए और हिन्दी टाईपिंग अनिवार्य रूप से सिख लीजिए। साथ ही अपने पत्रकारिता के अनुभव को छात्र –छात्राओं के समक्ष साझा करते हुए कहा कि मैंने अपने पत्रकारिता की शुरूआत स्कूली शिक्षा के साथ प्रूफ रीडर के तौर पर की। मीडिया में एक छोटे से काम चालू किया था और आज हरिभूमि, ब्यूरोचीफ के साथ ही राजनांदगांव प्रेसक्लब अध्यक्ष हूँ। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए जानकारी दी कि प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़िये, खबर लिखने का प्रयास करें और साथ ही हिन्दी टाईपिंग अनिवार्य रूप से सीखने को कहा।

महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर ने कहा कि पत्रकारिता देश का चौथा स्तम्भ है। टेलीविजन की भूमिका हर मायने मे काफी महत्वपूर्ण रही है। न्यायपलिका, विधायिका और कार्यपालिका जैसे देश के महत्वपूर्ण स्तंभों पर नजर रखने का कार्य करने वाली खबर – पालिका आज अपने मूल कार्य से विमुख हो चुकी है। अपने प्रारम्भ में मिशन के

तहत लोगों के बीच अपनी भूमिका का निर्वाह करने वाली पत्रकारिता समय के साथ बदलते हुए प्रोफेशन के रूप मे भी परिवर्तित हुई है।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा. जागृत ने विश्वटेलीविजन के बारे में बताया कि नवंबर 1996 में, संयुक्तराष्ट्र (यूएन) ने पहले वर्ल्ड टेलीविजन फोरम का आयोजन किया था, प्रमुख मीडिया हस्तियां फोरम का हिस्सा थी जहां उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर टेलीविजन के बढ़ते महत्व पर चर्चा कि तब से महासभा ने हर वर्ष 21 नवंबर को विश्वटेलीविजन दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। वही डॉ. जागृत ने कहा कि इलेक्ट्रानिक माध्यम हो या मुद्रित माध्यमों का व्यवसायिकरण इस बात में अब कोई दोराय नहीं है कि टेलीविजन चैनल या समाचार पत्र माध्यमों का व्यावसायीकरण हो चुका है। आने वाले समय में व्यावसायीकरण का यह चेहरा विकृत और विकराल देखने को मिलेतो समाज को हैरान नहीं होना चाहिए।

स्ववित्तीय व्यख्याता अमितेश सोनकर ने राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के इतिहास के बारे में जानकारी दिया कि राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को मनाया जाता है 1920 के दशक के दौरन, लेखक पाल्टर लिपमैन और अमेरिकी दार्शनिक जॉनडेवी, नें एक लोकतांत्रिक समाज में पत्रकारिता की भूमिका पर अपने विचार विमर्श को प्रकाशित किया था। तब आधुनिक पत्रकारिता अपने वास्तविक रूप मे आ रहा था। अब यह भली–भांति ज्ञात हो चुका है कि पत्रकारिता जनता और नीति निर्माताओं के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाता है। इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका एक पत्रकार निभाता है। वहीं आगे सोनकर ने पत्रकारिता की शुरूआत हरिभूमि से कर अब तक के सफर को अनुभव को शेयर किया।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पंचम सेमेस्टर के छात्र मनोज ने किया। आभार प्रदर्शन कुमारी विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

दिनांक – 03.12.2022

09

''साइंस रिपोर्टिंग'' पर व्याख्यान

प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर.के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में एक दिवसीय अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन ''साइंस रिपोर्टिंग'' विषय में किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में रसायनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. डाकेश्वर वर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ राजगीत के साथ हुआ। स्वागत उद्‌बोधन में डॉ. बी. एन. जागृत के कहा आज जो पत्रकारिता के लिए बड़ी आसानी से रिपोर्टिंग किया जा रहा है, वह साइंस के द्वारा दिए गए टेक्नोलॉजी से संभम हो पाई है। वैज्ञानिक अनुसंधान और खोजों और आविष्कारों की सूचनाएं लोगों तक पहुंचाना ही विज्ञान पत्रकारिता नहीं है बल्कि विज्ञान के क्षेत्र में व्याप्त गड़बड़ियों और अनियमितताओं को भी सामने लाना विज्ञान पत्रकारिता का मूल कर्तव्य है। लोगों को वैज्ञानिक ढंग से सलाह देना और उनका मार्गदर्शन करना विज्ञान पत्रकारिता का अहम कार्य है।

विषय विशेषज्ञ डॉ. डाकेश्वर वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि किसी भी सूचना को जनता तक पहुंचने के लिए पत्रकारिता एक माध्यम है, साइंस को समझना आम जनता के लिए मुश्किल है, विशेष लक्षित जनता होता है। शब्द कठिन है ''त्रुटि रहित रिपोर्टिंग'' पर जोर दिया। आज तकनीकी प्रगति के युग में, अधिकांश लोग ऐसे लेख पसंद करते हैं जो सूचनात्मक, विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक और निरंतर प्रवाह वाले हों। किसी विशेष विषय पर लेख लिखने के लिए, उपलब्ध साहित्य को पढ़ने और समझने और संबंधित विशेषज्ञों के साथ विषय पर चर्चा करने और उनके सुझावों को शामिल करने की आवश्यकता होती है।

जरूरी आंकड़े, डायग्राम, फोटो आदि भी जमा करने होते हैं। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि विषय – मुद्दे का एक एकीकृत और संतुलित दृष्टिकोण आम जनता के लिए आसानी से समझने योग्य भाषा में उचित विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। एक लेख में आवश्यक रूप से सतर्कता और रिपोर्टर की खोजी मानसिकता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। निस्संदेह आम आदमी भी ऐसे लेखों और रिपोर्टों की सराहना करते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं, विद्यार्थियों की साइंस से संबंधित समस्याओं को समाधान किया। संचालन स्ववित्तीय प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्ववित्तीय प्राध्यापक सुश्री विभा सिंह, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक – 05.12.2022

10

अंतविभागीय व्याख्यान ''पत्रकारिता की हिंग्लिश भाषा''

प्राचार्य के.एल. टांडेकर.के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में एक दिवसीय अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनीता साहा उपस्थित थीं। राज गीत से प्रारंभ इस व्याखान में विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कहा पत्रकारिता के बदलते स्वरूप में अंग्रेजी भाषा का बड़ा महत्व है, बिना अंग्रेजी ज्ञान के व्यक्ति को कमतर आंका जाता है। हिंदी पत्रकारिता में इंग्लिश का स्वरूप बदल कर हिंग्लिश हो गया। व्याख्यान उपयोगी होगा हिंग्लिश , अंग्रेजी और हिंदी का मिश्रित शब्द है।

विषय विशेषज्ञ डॉ अनीता साहा ने ''मीडिया में इंग्लिश का बढ़ता उपयोग'' विषय पर व्याख्यान के दौरान कहा आम जनता अपनी दैनिक जीवन में बात करते समय एक भाषा या बोली का इस्तेमाल करता है, मीडिया भी आम बोल चाल की भाषा को अपना लिया है। इस दौर में शायद ही ऐसी कोई भाषा होगी जो अपने मूल रू᳴ में बोला या लिखा जाता होगा।

मीडिया की दुनिया में इन दिनों भाषा का सवाल काफी गहरा हो गया है। मीडिया में जैसी भाषा का इस्तेमाल हो रहा है उसे लेकर शुद्धता के आग्रही लोगों में काफी हाहाकार व्याप्त है। चिंता हिन्दी की है और उस हिन्दी की जिसका हमारा समाज उपयोग करता है। बार–बार ये बात कही जा रही है कि हिन्दी में अंग्रेजी की मिलावट से हिन्दी अपना रूप–रंग–रस और गंध खो रही है। हिंग्लिश का उपयोग चलन में आने से एक नई किस्म की भाषा का विस्तार हो रहा है। किंतु आप देखें तो वह विषयगत ही ज्यादा है।

लाइफ स्टाइल, फिल्म के पन्नों, सिटी कवरेज में भी लाइट खबरों पर ही इस तरह की भाषा का प्रभाव दिखता है। डॉ. अनीता साहा ने विषय संबंधित विद्यार्थियों जिज्ञासा की विस्तार से जानकारी दिया। संचालन सहायक प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सहायक प्राध्यापक सु श्री विभा सिंग, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

11

दिनांक – 16.12.2022

समूह चर्चा – वर्ल्ड फीफा कप वर्ल्ड

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य के.एल. टांडेकर. के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग में विद्यार्थियों के बीच ''वर्ल्ड फीफा कप विषय'' पर समूह चर्चा कार्यक्रम रखी गयी। जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत ने *''वर्ल्ड फीफा कप''* पर प्रकाश डालते हुए उसके ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि से अवगत कराया साथ ही कहा, फुटबॉल विश्व का सबसे लोकप्रिय खेल है, इसे लगभग सारे देश खेलते हैं। 2022 फीफा विश्व कप 22वां फीफा विश्व कप था, जो फीफा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल टीमों के लिए चतुष्कोणीय विश्व चौंपियनशिप थी। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं लेकिन इसमें भारत का नाम शामिल नहीं है। पहली बार कोई इस्लामिक देश, कतर में इसका आयोजन किया गया।

फीफा विश्व कप (FIFA World Cup) – यह विश्व में सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है जो प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित की जाती है। पहला फीफा विश्व कप वर्ष 1930 में उरुग्वे में आयोजित उरुग्वे ने जीता। ट्रॉफी वर्ष 1930 से 1970 तक दिया जाने वाला ट्रॉफी कप जूल्स रिमेट ट्रॉफी था, जिसका नाम उस फ्रॉंसीसी व्यक्ति के नाम पर रखा गया था जिसने टूर्नामेंट का प्रस्ताव रखा था।वर्ष 1970 में प्रतियोगिता के लिये फीफा विश्व कप नामक एक नई ट्रॉफी शुरू की गई। फीफा विश्व कप 2022 के मुख्य पुरस्कार – फीफ ने पूरे विश्व कप में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन को मान्यता देने के लिये कई पुरस्कारों की घोषणा की, जिनमें शामिल हैं – गोल्डन बूट – किलियन एम्बाप्पे, गोल्डन ग्लोव – एमिलियानो मार्टिनेज, गोल्डन बॉल – लियोनेल मेसी, युवा खिलाड़ी – एंजो फर्नांडीज, फीफा फेयर प्ले अवार्ड – इंग्लैंड फीफा विश्व कप आधिकारिक बॉलः

विद्यार्थियों ने चर्चा की कैसे वर्ल्ड फीफा कप में सदस्यता ली जाती है, सभी टीमों में क्वालीफायर मैच खेला जाता है, जो देश वर्ल्ड फीफा कप आयोजन करता है, उनको सीधे सदस्यता मिल जाती है। ऐसा नहीं है कि भारत ने कभी फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं किया हो भारतीय टीम ने साल 1950 में ब्राजील में आयोजित विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया था, इसके बावजूद वह भाग नहीं ले पाई। इस चर्चा में सहायक प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर, सुश्री विभा सिंग, श्री सेऊक दास का योगदान रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

12

दिनांक – 08.12.2022

शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन

छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये, उनकी आखों से आसू छलक पडे

- **पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्हीं के लिए है जो नौकरी के लिए है : प्राचार्य डॉ. टांडेकर**

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत के मार्गदर्शन में शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विभिन्न गांवों से आए अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अभिभावक सम्मेलन की रूपरेखा विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत द्वारा रखी गई। उन्होंने सम्मेलन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे ध्यान रखें कि उनके बच्चें महाविद्यालय जाकर क्या कर रहे हैं उनकी कमजोरी व खुबियों की जानकारी पालकों को रखनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करते हुए अध्ययन करना चाहिए। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती है। वहीं डॉ जागृत ने कहा कि आज कल के बच्चें मोबाईल फोन को ज्यादा महत्व दे रहे हैं इस पर अभिवकों को विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षक – अभिभावक सम्मेलन बच्चों और विभाग दोनों के लिए बहुत जरुरी है। छात्रों से ही विभाग और महाविद्यालय का नाम रोशन होता है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि शिक्षा समाज की आवश्यकता है। इसे बेहतर बनाने के लिए शिक्षक – अभिभावक और विद्यार्थियों में सामंजस्य जरूरी है। ऐसा होने पर ही शिक्षा के क्षेत्र में विकास हो सकता है। नई शिक्षा नीति में अभिभावकों के योगदान को प्रमुख बताते हुए कहा कि भारत में शिक्षा का नवाचार हुआ है। शिक्षा के ढांचागत विकास से ही समाज का विकास होता है। अभिभावकों की देखरेख व सुझाव पर जो विद्यार्थी अमल कर रहे हैं, उन्हें सफलता भी मिल रही है। उन्होंने ने कहा कि पत्रकार का जागरूक होना महत्वपूर्ण है जागरूकता के साथ समाज का दर्पण बनकर कार्य करना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्ही के लिए है जो नौकरी

दावा 10-11-22

पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है, नौकरी उन्हीं के लिए है, जो नौकरी के लिए है: प्राचार्य डॉ. टाड़ेकर

o पत्रकारिता विभाग में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित

o छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर हुए भावुक, उनकी आखें से आसू छलक पड़े

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों के विभिन्न गांवों से आए अभिभावकों ने भाग लिया। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने सम्मेलन का शुभारंभ मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया।

अभिभावक सम्मेलन की रूपरेखा विभागाध्यक्ष डॉ जागृत द्वारा रखी गई। उन्होंने सम्मेलन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि वे ध्यान रखें कि उनके बच्चें महाविद्यालय जाकर क्या कर रहे है उनकी कमजोरी व खुबीयों की जानकारी पालकों को रखनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करते हुए अध्ययन करना चाहिए। महाविद्यालय में विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती है। वहीं डॉ जागृत ने कहा कि आज कल के बच्चें मोबाईल फोन को ज्यादा महत्व दे रहे है इस पर अभिावकों को विशेष ध्यान देना चाहिए। शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन बच्चों और विभाग दोनों के लिए बहुत जरूरी है। छात्रों से ही विभाग और महाविद्यालय का नाम रोशन होता है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि शिक्षा समाज की आवश्यकता है। इसे बेहतर बनाने के लिए शिक्षक- अभिभावक और विद्यार्थी में सामंजस्य जरूरी है। ऐसा होने पर ही शिक्षा के क्षेत्र में विकास हो सकता है। नई शिक्षा नीति में अभिभावकों के योगदान को प्रमुख बताते हुए कहा कि भारत में शिक्षा का नवाचार हुआ है। शिक्षा के ढांचागत विकास से ही समाज का विकास होता है। अभिभावकों की देखरेख व सुझाव पर जो विद्यार्थीय अमल कर रहे हैं, उन्हें सफलता भी मिल रही है। वहीं प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि पत्रकार का जागरुक होना महत्वपूर्ण है जागरुकता के साथ समाज का दर्पण बनकर कार्य करना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर की कमी नहीं है नौकरी उन्ही के लिए है जो नौकरी के लिए है। साथ ही पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने समाचार पत्र, विभागीय पुस्तके, शैक्षणिक भ्रमण एवं मीडिया लैब निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिस पर प्राचार्य ने सहमति दी।

जो अभिभावक कभी स्कूल-कॉलेज नहीं गये, वह अपने बच्चों को महाविद्यालय में पढ़ते देखकर बहुत खुशी जाहिर की। कई छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये। उनकी आखें से आसू छलक पड़े। यह सम्मेलन खास रहा क्योंकि शासन ने पढ़ने के आयु सीमा समाप्त कर दी है, जिससें छात्रों के साथ अभिवावक के रुप में जीवन साथी भी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता कुमारी विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा। साथ ही अभिभावक व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

के लिए है। साथ ही पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों ने समाचार पत्र, विभागीय पुस्तके, शैक्षणिक भ्रमण एवं मीडिया लैब निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिस पर प्राचार्य ने सहमति दी। जो अभिभावक कभी स्कूल – कॉलेज नहीं गये वे अपने बच्चों को महाविद्यालय में देखकर अपनी खुशी जाहीर की। कई छात्र अपने पालकों को सम्मेलन में देखकर भावुक हो गये उनकी आखें से आँसु छलक पडे। यह सम्मेलन खास रहा क्योंकि शासन ने पढ़ने की आयु सीमा समाप्त कर दी है, जिससें छात्रों के साथ अभिवावक के रूप में जीवन साथी भी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता कु. विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही अभिभावक व अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

13

22.12.2022

पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम

- **पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखा प्रिंटिंग – प्रेस की कार्यप्राणली**

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बल्देव बाग स्थित सबेरा संकेत अखबार कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

विभागाध्यक्ष बी. एन. जागृत ने छात्रों को बताया सबेरा संकेत राजनांदगांव का सबसे पुराना अखबार छपाई का कार्यालय है जिसमें सबेरा संकेत नाम का ही अखबार छपता है। सबेरा संकेत का इतिहास लगभग 67 वर्ष पुराना है, जहां समाचार पत्र के लिए कौन समाचार एकत्र करते हैं, प्रिंटिंग प्रेस से कैसे उसे आम पाठक तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश होती है और इसके लिए कैसे समाचार पत्र के संपादकीय, विज्ञापन, प्रिंटिंग और अन्य स्टाफ एक टीम के रूप में कार्य करते हैं। इन बातों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सबेरा संकेत प्रमुख श्री शैलेंद्र कोठारी ने कहा कि सबेरा संकेत 1975 से दैनिक अखबार के रूप में प्रकाशित हो रहा है। सोशल मीडिया या डिजिटल मीडिया यह सब अभी शुरू हुए हैं, पूर्व में प्रिंट मीडिया में बहुत ही संघर्ष भरा कार्य हुआ करता था। लेखन कार्य से लेकर आज के समय में कंप्यूटर और इंटरनेट के आ जाने से कार्यों में थोड़ी सरलता आ गई है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आ जाने के बाद से प्रिंट मीडिया की लोकप्रियता ने कमी आई है लेकिन प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता अभी भी बरकरार रखी है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार के द्वितीय वर्ष के छात्र और सबेरा संकेत में कार्यरत अखिलेश खोब्रागड़े द्वारा सभी छात्र – छात्राओं को अखबार छपने की प्रक्रिया, वितरण सहित, अखबार किन – किन विभागों से होकर गुजरता है और किन मशीनों द्वारा क्या कार्य किए जाते हैं की जानकारी दी गई। पूर्व में अखबार किस तरीके से छपते थे। और आज के समय अखबार की छपाई में

क्या – क्या बदलाव आया है। इसके बारे मे जानकारी दी गई। सभी छात्रों को कार्यालय भवन का भ्रमण कराया गया।

स्ववित्तीय व्याख्याता अमितेश सोनकर ने छात्रों को बताया की खबरों के सोर्सेस के माध्यम से समाचार एकत्रित करने के बाद अखबार में प्रकाशित होने के लिए विभिन्न प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है। जिसे हम क्लास में पढ़ते हैं लेकिन आज भ्रमण के दौरान प्रत्येक कार्य को प्रायोगिक रुप से देखने व समझने को मिला रहा है। स्ववित्तीय व्याख्याता सेऊक दास ने छात्रों को बताया पुराने मशीनों और आज की अत्याधुनिक मशीनों में किस प्रकार का परिवर्तन आ चुका है। दैनिक भास्कर जनसत्ता अमर उजाला ऐसे बड़े – बड़े अखबारों में नई और अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग हो रहा है। स्ववित्तीय व्याख्याता विभा सिंह ने कहा कि प्रिंट मीडिया मे होने वाले कार्य एक लंबी प्रक्रिया से गुजर कर पाठकों तक पहुंचता है। मीडिया के सभी क्षेत्रों में से प्रिंट मीडिया को सर्वाधिक विश्वसनीय माना जाता है।

कार्यालय भ्रमण के दौरान पत्रकारिता के सभी विद्याथियों को साहित्य संपादक प्रेरणा तिवारी, प्रांतीय संपादक आरती दुबे, प्रांतीय सह संपादक बी.एस. चौहान, ले आऊट डिजाइनर कुबेर साहू, गिरधर साहू, कम्प्यूटर रीडिंग लता घोपाल, मशीन आपरेटर संजय मिश्रा सभी ने अपने – अपने कार्यो के बारे में जानकारी दी।

शुरूआत में प्रिंट मीडिया संघर्ष भरा - कोठारी

पत्रकारिता के स्टुडेन्ट्स ने सबेरा संकेत देखा

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बल्देव बाग स्थित सबेरा संकेत अखबार कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

विभागाध्यक्ष बी. एन. जागृत ने छात्रों को बताया सबेरा संकेत राजनांदगांव का सबसे पुराना अखबार छपाई का कार्यालय है, जिसमें सबेरा संकेत नाम का ही अखबार छपता है। सबेरा संकेत का इतिहास लगभग 67 वर्ष पुराना है। जहां समाचार पत्र के लिए कौन समाचार एकत्र करते हैं, प्रिंटिंग प्रेस से कैसे उसे आम पाठक तक जल्द से जल्द पहुंचाने की कोशिश होती है और इसके लिए कैसे समाचार पत्र के संपादकीय, विज्ञापन, प्रिंटिंग और अन्य स्टाफ एक टीम के रूप में कार्य करते हैं, इन बातों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

सबेरा संकेत के प्रबंध संपादक शैलेंद्र कोठारी ने कहा कि सबेरा संकेत 1975 से दैनिक अखबार के रूप में प्रकाशित हो रहा है। सोशल मीडिया या डिजिटल मीडिया यह सब अभी शुरू हुए हैं पूर्व में प्रिंट मीडिया बहुत ही संघर्ष भरा कार्य हुआ करता था लेखन कार्य से लेकर आज के समय में कंप्यूटर और इंटरनेट के आ जाने से कार्यों में थोड़ी सरलता आ गई है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आ जाने के बाद से प्रिंट मीडिया की लोकप्रियता में कमी आई है, लेकिन प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता अभी भी बरकरार रखी है।

दिनांक – 27.01.2023

''फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियॉ एवं संभावनाएं'' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन

- **पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य : प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर**

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव **में** प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत एक दिवसीय *''फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियॉ एवं संभावनाएं''* विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में केनन कंपनी – शाखा रायपुर, से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित रहे।

सीख | शासकीय दिग्विजय कॉलेज में एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फोटोग्राफी की बारीकियां बताई गई

पत्रिका सिटी एंकर

शासकीय दिग्विजय कॉलेज में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की चुनौतियों और संभावनाओं को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह आयोजन प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के नेतृत्व में केनन कंपनी शाखा रायपुर द्वारा किया गया।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. इस वर्कशॉप में कंपनी से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने कहा कि छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को अलग-अलग कैमरों से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

कैमरे की तकनीक भी बताई गई

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने भी फोटोग्राफी में सफल होने का गुर बताया। उन्होंने फोटोग्राफी को चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी। कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने प्रशिक्षण की सरहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ – साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग–अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया।

प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल – पुर्जो की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरूरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पायेगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

राजनांदगांव, रविवार दिनांक 29 जनवरी 2023 4

पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य : नरेंद्र राठौर

o पत्रकारिता विभाग के द्वारा -फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियाँ एवं संभावनाएं- विषय पर वर्कशॉप का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अन्तर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण के तहत एक दिवसीय -फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी चुनौतियाँ एवं संभावनाएं- विषय पर केनन कंपनी - शाखा रायपुर द्वारा वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में केनन कंपनी - शाखा रायपुर, से एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर, प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर और कार्यकारी मुद्रक सुनील शुक्ला विषय विशेषज्ञ के रुप में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने प्रशिक्षण की सरहना करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ - साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग-अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया गया। कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशॉप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया।

प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल - पुर्जो की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरुरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पायेगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतिपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता विभा सिंह, सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

वीडियो-फोटोग्राफी में कड़ी चुनौतियां, तकनीकी ज्ञान जरूरी : टांडेकर

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय कालेज के पत्रकारिता द्वारा वैल्यूएडेड कोर्स के अंतर्गत फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी प्रशिक्षण पर वर्कशाप का आयोजन किया गया।

विषय विशेषज्ञ के रुप में योगेश ठाकुर, रेंद्र राठौर व सुनील शुक्ला उपस्थित रहे। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी एक कला है और इसमें एक फुल टाइम करियर बनाने के लिए विजुअल के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान भी होना आवश्यक है। साथ ही वर्तमान युग में फोटोग्राफी के बढ़ते चलन के बारे में बताया किस तरह प्रत्येक क्षेत्र में हर पल के फोटो का विशेष महत्व दिया जा रहा है। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डा.बी नंदा जागृत ने कार्यशाला के दौरान छात्राओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि छात्राओं को बड़े अलग-अलग कैमरो से फोटो निकालना, वीडियो बनाना उसकी मिक्सिंग का कार्य के बारे मे जानना बहुत ही आवश्यक है। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है।

तकनीकी पहलुओं से कराया अवगत: एरिया मैनेजर योगेश ठाकुर ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराकर परिचय कराया गया। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस वर्कशाप में छात्रों को कैमरे के तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षक नरेंद्र राठौर ने कहा कि जिस प्रकार एक ड्राइवर के लिए अपनी मोटरकार के कल पुर्जो की जानकारी होना आवश्यक है ठीक उसी प्रकार कैमरामैन के लिए भी जरूरी है कि उसे कैमरे के हर भाग की जानकारी हो तभी वह अपनी फोटोग्राफी में सफल हो पाएगा। आज पत्रकारिता के क्षेत्र में फोटोग्राफी करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए कैमरे के तकनीकी भाग व्यू फाइंडर, अपरचर, शटर, एक्सपोजर, प्रकाश और लैंस के बारे में बारीकियों से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखते विशेषज्ञ। ● कालेज प्रबंधन

15

दिनांक – 20.02.2023

विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य पर ''आपकी फरमाईश'' कार्यक्रम का आयोजन

रेडियो को भुल ना जाना हमेंशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में ***''आपकी फरमाईश''*** कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया गया।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने अपना अनुभव को साझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग – अलग तरह के रगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रंतिकारी परिवर्तन आ जाये लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय मे रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी। कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गयी है जो कभी – कभी दुषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो का संगीत कही खो गया है। टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भुल ना जाना हमेंशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना।

विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को साझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि क्या, कितना, कब और कैसे प्रभावी ढ़ग से प्रस्तुत करने आना चाहिए। वहीं रेडियो कानों में रस घोरता, मधुर संगीत और जरूरी जानकरी देने वाला मुफ्त, सशक्त, सरल एवं सुलभ जनसंचार माध्यम है जो अपने कार्यक्रमों के जरिये देश की विविधता से अवगत करवाता है। साथ ही डॉ. जागृत ने बताया कि आरजे बनने के लिए अच्छे ज्ञान के साथ – साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए।

''आपकी फरमाईस'' कार्यक्रम मे जुड़ी किशोर न्याय बोर्ड, मेम्बर, श्रीमति पुष्पलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पुरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है महिलाओं को भी अपनी पूर्व धरनाओं को

पत्रकारिता विभाग में विश्व रेडियो दिवस पर 'आपकी फरमाईश' कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में 'आपकी फरमाईश' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने अपना अनुभव को सझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाये लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय मे रेडियों न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी।

कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इंतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गयी है जो कभी-कभी दुषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो के संगीत कहीं खो गया है, टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भुल ना जाना हमेंशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक हैं।

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि क्या, कितना, कब और कैसे प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने आना चाहिए, वहीं रेडियो कानों में रस घोरता, मधुर संगीत और जरुरी जानकरी देने वाला मुफ्त, सशक्त, सरल एवं सुलभ जनसंचार माध्यम है जो अपने कार्यक्रमों के जरिये देश की विविधता से अवगत करवाता है। साथ ही डॉ. जागृत ने बताया कि आरजे बनने के लिए अच्छे ज्ञान के साथ- साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए।

''आपकी फरमाईस'' कार्यक्रम मे जुड़ी किशोर न्याय बोर्ड, मेम्बर, श्रीमति पुष्पलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पुरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है महिलाओं को भी अपनी पूर्व धरनाओं को बदलने की जरुरत है कि वो कमजोर है और उन्हे कोई भी धोखा दे सकता है। इसके बजाये ये सोचने की आवश्यकता है कि उनमें पुरुषो से अधिक सक्ति है और वे बेहतर कर सकती है। वहीं 'आपकी फरमाईस' में जुड़ी महिला सशक्तिकरण जिला अध्यक्ष श्रीमति बुधिमित्रा वासनिक ने अपने कैरियर के सघर्षो के बारे मे बात करते हुए कहा कोई भी समय इतना कठीन नही होता कि उससे बहार ना निकला जा सके बस जरुरत है, तो इस बात की समस्याओं से घबराये बिना उनसे डटकर सामना करने की हिम्मत रखना चाहिए।

आपकी फरमाईश कार्यक्रम के दौरान आरजे के भूमिका पर बीजेएमसी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा इला सिद्दीकी और रुबिना सिद्दीकी ने निभाई जिसमें श्रोताओं की फरमाईश पर संगीत विवि, खैरागढ़ से कु. तम्मना साहू ने अपना गीत सुनाई और बहुत से विद्यार्थियों ने कॉल के माध्यम से जुड़कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया। कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन प्रध्यापक कुमारी विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा। साथ ही विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

रेडियो को भुल ना जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना- प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर

बदलने की जरूरत है कि वो कमजोर है और उन्हे कोई भी धोखा दे सकता है। इसके बजाये ये सोचने की आवश्यकता है कि उनमें पुरुषो से अधिक शक्ति है और वे बेहतर कर सकती है। वहीं ''आपकी फरमाईस'' में जुड़ी माहिला सशक्तिकरण जिला अध्यक्ष श्रीमति बुधिमित्रा वासनिक ने अपने कैरियर के सघर्षो के बारे मे बात करते हूए कहा कोई भी समय इतना कठिन नहीं होता कि उससे बहार ना निकला जा सके बस जरुरत है तो इस बात की समस्याओं से घबराये बिना उनसे डटकर समना करने की हिम्मत रखना चाहिए।

आपकी फरमाईश कार्यक्रम के दौरान आरजे के भूमिका बीएजेएमसी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा इला सिद्दीकी और रुबिना सिद्दीकी ने निभाई। जिसमें श्रोताओं की फरमाईश पर कॉल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाईश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया। छात्र – छात्राओं ने इस अवसर पर अपनी भी पंसदीदा गीतों की फरमाईश की। अत्यंत खुशनुमा माहौल में कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रध्यापक अमितेश सोनकर द्वारा किया। आभार प्रदर्शन प्रध्यापक कु. विभा सिंह ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के व्याख्याता सेऊक दास का योगदान रहा साथ ही विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है : डा. केएल टांडेकर

राजनांदगांव (वि.)। दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग ने विश्व रेडियो दिवस पर आपकी फरमाईश कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में काल के माध्यम से जुड़ कर श्रोताओं की फरमाइश पर गीत, कविता और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रंगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाए।

लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय मे रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीढ़ी निर्भर रहती थी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीढ़ी रेडियो पर संगीत का आनंद नहीं ले पा रही है। रेडियो को भूल न जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारिता के विद्यार्थी हिस्सा लेते हुए। ● नईदुनिया

सूचना के लिए सशक्त माध्यम

पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डा. बी नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादों को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। रेडियो जाकी बनने के लिए सिर्फ बोलना ही नहीं बल्कि अच्छे ज्ञान के साथ-साथ विविध शब्दावली पर पकड़ होनी चाहिए। पुष्पलता गनवीर ने मीडिया के क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात रखते हुए बताया कि महिलाओं को पूरी स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है, ये उनका जन्म सिद्ध अधिकार है।

संघर्ष करने पर दिया जोर

आपकी फरमाइश में जुड़ी माहिला सशक्तिकरण जिला अध्यक्ष बुधिमित्रा वासनिक ने अपने कैरियर के सघर्षों के बारे मे बात करते हुए कहा कोई भी समय इतना कठिन नहीं होता कि उससे बहार ना निकला जा सके बस जरुरत है तो इस बात की समस्याओं से घबराए बिना उनसे डटकर समना करने की हिम्मत रखना चाहिए। इस दौरान इला सिद्दीकी और रुबिना सिद्दीकी, प्रध्यापक अमितेश सोनकर, प्राध्यापक विभा सिंह व अन्य मौजूद रहे।

वर्तमान समय में क्रांतिकारी बदलाव तो आए पर रेडियो से जुड़ाव अब भी जारी

राजनांदगांव @ पत्रिका. शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के नेतृत्व में पत्रकारिता विभाग द्वारा विश्व रेडियो दिवस के उपलक्ष्य में 'आपकी फरमाइश' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉल के माध्यम से जुड़कर श्रोताओं की फरमाइश पर गीत, कविता, और अनुभव सुनाकर मनोरंजन किया।

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने अपना अनुभव को सझा करते हुए कहा कि रेडियो के साथ लोगों के जीवन की कहानियां जुड़ी है। रेडियो अपने कार्यक्रमों के जरिए आम आदमी के जीवन को अलग-अलग तरह के रगों से भरता है। वहीं वर्तमान युग में कितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन आ जाए, लेकिन रेडियो से गहरा जुड़ाव आज भी जिंदा है, पुराने समय में रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन हुआ करता था, बल्कि रोजगार संबंधित जानकारी के लिए भी रेडियो पर युवा पीनी निर्भर रहती थी।

कार्यक्रम सुनने कि जिज्ञासा के चलते अपने पसंदीदा उद्घोषक की आवाज का इतजार रहता था। अब तकनीक बहुत विकसित हो गई है, जो कभी-कभी दूषित मानसिकता को बढ़ावा देने में जिम्मेदार भी है। बदलते समय के साथ रेडियो के संगीत कही खो गया है, टेक्नोलाजी के जमाने में युवा पीनी रेडियो पर संगीत का आनंद नही ले पा रही है। रेडियो को भुल ना जाना हमेशा याद रखना और औरों को भी याद दिलाना तभी रेडियो दिवस मनाना सार्थक हैं। पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी नंदा जागृत ने अपनी रेडियो की पुरानी यादो को सझा करते हुए कहा कि रेडियो सूचना के लिए सशक्त माध्यम है, रेडियो के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

दिनांक – 20.02.2023

एम.ओ.यू. के तहत ''भारतीय सविधान'' पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

▪ अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है, वे एक प्रखर पत्रकार व सच्चे राष्ट्रवादी थें, वे नारियों के मुक्ति दाता हैं : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के. एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में एम. ओ. यू. गतिविधि के अंतर्गत सेंटथामस महाविद्यालय, भिलाई के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों एंव दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ दिग्विजय महाविद्यालय में भारतीय संविधान विषय पर समूह चर्चा का आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वाग्देवी मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर छात्र – छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया गया, तथा उन्हें भारतीय संविधान की जानकारी दी गई।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर, ने भारतीय संविधान के निर्माण, विशेषता के साथ ही महत्ता और प्रदत्त किए गए मानव के अधिकारों के बारे में बताया। साथ ही कहा अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है। वे एक प्रखर पत्रकार व सच्चे राष्ट्रवादी थें, वे नारियों के मुक्ति दाता हैं। यह सब संविधान के बल बुते पर संभव हो सका है। आजाद भारत के आजाद नागरिकों को अपने संवैधानिक अधिकार को अवश्य ही जानना चाहिए।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत, ने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने देश को एक नई दिशा दी, जिसकी बदौलत आज देश तरक्की की ओर अग्रसर हैं। वहीं डॉ.जागृत ने स्टूडेंट एक्सचेंज गतिविधि का महत्व बताते हुए सेंटथामस महाविद्यालय, की जानकारी दी।

इस गतिविधि में सम्मिलित विद्यार्थियों एवं दोनों महाविद्यालय के प्राध्यापकों का परिचय कराया। छात्र – छात्राओं को भारतीय संविधान की जानकारी देने के साथ ही इसकी विशेषताओं से भी अवगत कराया।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष सेंटथामस महाविद्यालय भिलाई, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. रीमा देवांगन, ने कहां आज हम एम.आ. यू. तहत उपस्थित हुए हैं। इस तरह के कार्यक्रम से दो महाविद्यालय आपस में मिलते है साथ ही छात्र – छात्रएं एक दूसरे से भी परिचित होते हैं। इस तरह किसी विषय पर चर्चा करने से ज्ञान विकास होता है। इस तरह के कार्यक्रम होते रहना चाहिए।

इस दौरान दोनों महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सविधान के निर्माण एवं इसकी मुख्य विशेषताओं के बारें में बताया। संविधान का निर्माण भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। 26 नवंबर की ऐतिहासिक तारीख को सन 1949 में भारतीय संविधान को स्वीकार किया गया। लेकिन इसे 26 जनवरी को लागू किया गया। एक भारतीय होने के नाते समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं शिक्षा से संबंधित अधिकार मिलें हुए है। कार्यक्रम का संचालन अमितेश सोनकर ने किया।

नवभारत my city

छात्र-छात्राओं को पढ़ाया भारतीय संविधान का पाठ

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एम.ओ.यू. गतिविधि के अंतर्गत सेंटथामस महाविद्यालय, भिलाई के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों एवं दिग्विजय महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ दिग्विजय महाविद्यालय में भारतीय संविधान विषय पर समूह चर्चा का आयोजित की गई. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना को पढ़ाया गया, तथा उन्हें भारतीय संविधान की जानकारी दी गई. प्राचार्य टांडेकर, ने भारतीय संविधान के निर्माण, विशेषता के साथ ही महत्ता और प्रदत्त किए गए मानव के अधिकारों के बारे में भी बताया. साथ ही कहा अंबेडकर व्यक्ति नहीं विचार धारा है.

17

दिनांक – 21.04.2023

एम. ओ. यू. के तहत जनसंपर्क दिवस मनाया गया

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एम. ओ. यू. कार्यक्रम के तहत, जनसंपर्क दिवस रूआबाधां में स्थित सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अफसर और दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के सहायक निर्देशक (समाचार) डॉ. मनोज सोनेन थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने आशीर्वचन में सेंट थामस महाविद्यालय के प्रशासक फादर डॉ. जोशी वर्गीज ने जनसंचारक के तौर पर पत्रकारों को उनके कर्तव्य के प्रति सजग किया। प्राचार्य डॉ. रोइमोन ने जनसंपर्क दिवस पर अपने समाजिक दायित्व पर अपनी बात रखते हुए शुभकामनाएं दी। सेंट थामस कॉलेज पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. रीमा देवांगन ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। प्रशासक फादर वर्गीज ने मुख्य अतिथी डॉ. मनोज सोनेन को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अपने उद्‌बोधन के दौरान डॉ. मनोज सोनेन ने समाज में जनसंपर्क की भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया।

उन्होंने कहां कि आज के समय में एक बेहतर जनसंचारक

एमओयू के तहत जनसंपर्क दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एमओयू कार्यक्रम के तहत, जनसंपर्क दिवस रूआबांधा में स्थित सेंट थॉमस कॉलेज भिलाई में मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सूचना सेवा के अफसर और दूरदर्शन केन्द्र रायपुर के सहायक निर्देशक (समाचार) डॉ. मनोज सोनेन थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने आशीर्वचन में सेंट थामस महाविद्यालय के प्रशासक फादर डॉ. जोशी वर्गीज ने जनसंचारक के तौर पर पत्रकारों को उनके कर्तव्य के प्रति सजग किया। प्राचार्य डॉ. रोइमोन ने जनसंपर्क दिवस पर अपने समाजिक दायित्व पर अपनी बात रखते हुए शुभकामनाएं दी। सेंट थामस कॉलेज पत्रकारिता विभाग की प्रमुख डॉ. रीमा देवांगन ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशासक फादर वर्गीज ने मुख्य अतिथि डॉ. मनोज सोनेन को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। अपने उद्बोधन के दौरान डॉ. मनोज सोनेन ने समाज में जनसंपर्क की भूमिका बताते हुए पत्रकारों को वर्तमान समय का श्रेष्ठ जनसंचारक निरूपित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में एक बेहतर जनसंचारक बनने के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर प्रज्ञा, शील, करूणा और मैत्री का भाव होना चाहिए। इन गुणों के समावेश से ही हम अपनी बात जनसमुदाय तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने पत्रकारिता जनसंचार कि डिग्री के उपरांत सरकारी और निजी क्षेत्र की सेवाओं में बेहतर भविष्य के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। दिग्विजय महाविद्यालय, की पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने अपने उद्बोधन के दौरान सभी को जनसंपर्क दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहां की जनसंपर्क बहुत ही आवश्यक है। बड़ी-बड़ी व्यावसायिक कंपनियां हो या अन्य तरह की बड़ी संस्थाएं सभी को जनसंपर्क अधिकारी की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पत्रकारिता से संबधित जिज्ञासाओं का डॉ. मनोज सोनेन द्वारा समाधान किया गया इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से एक महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण से रूबरू होते है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटथामस महाविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक छवि किरण साहु, अमिताभ शर्मा, दिग्विजय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापकगण अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सेउक दास समेत विद्यार्थियों की अपनी सहभागिता दर्ज किया गया। सेंट थामस महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

बनने के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर प्रज्ञा, शील, करूणा और मैत्री का भाव होना चाहिए। इन गुणों के समावेश से ही हम अपनी बात जनसमुदाय तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने पत्रकारिता जनसंचार कि डिग्री के उपरांत सरकारी और निजी क्षेत्र की सेवाओं में बेहतर भविष्य के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी।

दिग्विजय महाविद्यालय, की पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने अपने उद्बोधन के दौरान सभी को जनसंपर्क दिवस की शुभकामनांए देते हुए कहां की जनसंपर्क बहुंत ही आवश्यक है। बड़ी बड़ी व्यावसायिक कंपनियां हो या अन्य तरह की बड़ी संस्थाएं सभी को जनसंपर्क अधिकारी की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पत्रकारिता से संबंधित जिज्ञासाओं का डॉ. मनोज सोनेन द्वारा समाधान किया गया इस प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से एक महाविद्यालय के विद्यार्थी दूसरे महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण से रूबरू होते है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटथामस महाविद्यालय, के सहायक प्राध्यापक छवि किरण साहू, अमिताभ शर्मा, दिग्विजय महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापकगण अमितेश सोनकर, विभा सिंह, सेऊक दास समेत विद्यार्थियों की अपनी सहभागिता दर्ज किया गया। सेंट थामस महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थीगण एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

दिनांक – 27.04.2023

मीडिया का क्षेत्र हमेशा संभावनाओं से भरा होता है : प्राचार्य डॉ.टांडेकर

- **ये फेविकोल का जोड़ है : निर्देशक दूरदर्शन श्री नीलम सोना**
- **मीडिया कोर्स जॉब ओरियेंन्टेंड कोर्स है : कैमरामेन श्री मनोज लोखंडे**

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन. जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ श्री नीलम सोना जी, निर्देशक – डी. डी. किसान, दूरदर्शन रायपुर दिल्ली थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर जी ने की। कार्यक्रम में श्री नीलम सोना जी के साथ ही कैमरामेन श्री मनोज लोखंडे एवं दूरदर्शन टीवी प्रोडक्शन यूनिट की पूरी टीम उपस्थित थी। राजगीत से प्रारंभ इस व्याख्यान में विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुने जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाईडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है इसलिए मैं कहती हूँ – कि ''तकरीर वह फूल है, मेरे बच्चों, जिसकी महक कभी जाती नहीं।''

मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां रोजगार व प्रसिद्धि दोनों हासिल होता है: मनोज

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

दिग्विजय कॉलेज में पत्रकारिता विभाग के द्वारा एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.बीएन जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ नीलम सोना थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.केएल टांडेकर ने की। कार्यक्रम में नीलम सोना के साथ ही मनोज लोखंडे एवं पूरी टीम उपस्थित थी।

विभागाध्यक्ष डॉ.जागृत ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों को सुनें जो हमारे विद्यार्थियों को कॅरियर गाइडेंस दे सकें। प्राचार्य डॉ.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चित ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित हैं। मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां आपको रोजगार और धन दोनों हासिल होता है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां आप स्वयं हीरो बन सकते हैं। विषय विशेषज्ञ सोना ने टीवी प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते हैं कि हमारे पास संसाधन नहीं हैं।

राजनांदगांव. दिग्विजय कॉलेज के सभागार में किया गया आयोजन।

मीडिया का क्षेत्र हमेशा संभावनाओं से भरा होता है– डॉ.के.एल.टांडेकर

राजनांदगांव (दावा)। शा. दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ.बी.एन.जागृत के नेतृत्व में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। दूरदर्शन रायपुर से विषय विशेषज्ञ नीलम सोना निर्देशक डी.डी. किसान, दूरदर्शन रायपुर एवं दिल्ली दूरदर्शन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने की। कार्यक्रम में नीलम सोना के साथ ही कैमरामेन मनोज लोखंडे एवं दूरदर्शन यूनिट की पूरी टीम उपस्थित थी। राजगीत से प्रारंभ इस व्याख्यान में विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुने जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाईडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है इसलिए मैं कहती हूँ कि तकरीर वह फूल है, मेरे बच्चों, जिसकी महक कभी जाती नहीं। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त्र करेगा।

विषय विशेषज्ञ नीलम सोना ने कहा टी.वी. प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते है कि हमारे पास संसाधन नहीं है। आपके हाथ में आपका संसाधन जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण, फोटोसूट कर सकते है। आपने पावर पाईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से उन्होने एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डायलाग के भी आप अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते है। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेविकोल का विज्ञापन उन्होंने दिखाकर उन्होन बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में संवाद हो यह देखिये 'ये फेविकोल का जोड़ है' का मेसेज आपने आप प्रसारित हो रहा है। आप किसी भी विषय पर डाक्यूमेंट्री बना सकते है जो देश और समाज के साथ-साथ आपके लाभदायक हो सकता है। दूरदर्शन किसान के प्रमुख कैमरामेन मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान में मीडिया का क्षेत्र ऐसा है जहां आपको रोजगार और धन दोनों देता है।

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है आज हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त्र करेगा।

विषय विशेषज्ञ श्री नीलम सोना जी ने टी. वी. प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते है कि हमारे पास संसाधन नहीं है, आपके हाथ में आपका संसाधन है जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण एवं फोटोग्राफी कर सकते है। आपने पावर पाईट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डॉयलांग के भी आप अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते हैं। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेविकोल का विज्ञापन दिखाकर उन्होनें बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में संवाद हो। यह देखिये *"ये फेविकोल का जोड़ है"* का मैसेज अपने आप प्रसारित हो रहा है। आप किसी भी विषय पर डाक्यूमेंट्री बना सकते है जो देश और समाज के साथ – साथ आपके लिए भी लाभदायक हो सकता है।

संभावनाओं से भरा होता है मीडिया का क्षेत्र : डा. केएल टांडेकर

राजनांदगांव (वि)। दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि दिल्ली दूरदर्शन डीडी किसान के निर्देशक नीलम सोना थे। अध्यक्षता प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने की। विभागाध्यक्ष डा. बीएन जागृत ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्याख्यान आयोजित करने का उद्देश्य है कि हम उस क्षेत्र के ऐसे लोगों के सुनें जो हमारे विद्यार्थियों को कैरियर गाइडेंस दे सकें। प्रत्येक व्याख्यान से कुछ न कुछ दिशा मिलती है।

प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है। भविष्य की अपार संभावनाओं वाला आपका क्षेत्र है। कोई भी सकारात्मक सोच के साथ इस क्षेत्र प्रवेश करता है तो वह निश्चत ही सफल होता है। हमारे बीच इस क्षेत्र के सफल व्यक्तित्व उपस्थित है निश्चत ही उनका वक्तव्य आपका मार्ग प्रशस्त करेगा।

किसी भी क्षेत्र में बना सकते हैं डाक्यूमेंट्री: विषय विशेषज्ञ नीलम सोना ने कहा टीवी प्रोडक्शन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि आज आप नहीं कह सकते हैं कि हमारे पास संसाधन नहीं है। हाथ में आपका संसाधन जिसे हम मोबाइल कहते है। प्रत्येक क्षेत्र विडियो का निर्माण, फोटोसूट कर सकते हैं। पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने एड शूट करने का तरीका बताया कि कैसे बिना डायलाग के भी अपनी बात लोगों तक पहुंचा सकते है। विज्ञापन के क्षेत्र में भी नाम और पैसा दोनों है। फेविकोल का विज्ञापन उन्होंनें दिखाकर उन्होंन बताया कि जरूरी नहीं आपके डाक्यूमेंट्री में संवाद हो यह देखिए ये फेविकोल का जोड़ है का मैसेज आपने आप प्रसारित हो रहा है। आप किसी भी विषय पर डाक्यूमेंट्री बना सकते हैं जो देश और समाज के साथ-साथ आपके लाभदायक हो सकता है।

डा.केएल टांडेकर। ● फाइल फोटो

रोजगार के अवसर

दूरदर्शन किसान के प्रमुख कैमरामेन मनोज लोखंडे ने कहा कि वर्तमान मे मीडिया का क्षेत्र ऐसा है, जहां रोजगार और धन दोनों हासिल होती है। यह ऐसा क्षेत्र जहां आप स्वंय हीरो बन सकते है। इस दौरान दूरदर्शन रायपुर से त्रिलोचन साहू, बीएच मांझी, विजय जावलकर, पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या उपस्थित हुए। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त की जिनका समाधान नीलम सोना जी एवं उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम का संचालन विभा सिंह एवं आभार व्यक्त अमितेश सोनकर ने किया।

19

दिनांक – 08.05.2023

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी दूरदर्शन की कार्यप्रणाली

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दूरदर्शन केंद्र रायपुर का किया भ्रमण

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय पत्रकारिता एवं जनसंचार (बीएजेएमसी) विभाग के 50 विद्यार्थियों की टीम शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन की कार्यप्रणाली देखने को मिला। टीम का मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर और पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत, के नेतृत्व में किया। भ्रमण में दूरदर्शन के स्टूडियो, पावर सप्लाई रूम, संपादन कक्ष सहित अन्य विभागों को भी विद्यार्थियों ने देखा और उनके कार्यों को जाना।

निर्देशक डी.डी. किसान, दूरदर्शन, रायपुर श्री निलाम सोना ने इस दौरान स्टूडेंट्स को स्टूडियो संरचना, श्री कैमरा शूटिंग, लाइटिंग के सिद्धांत, पीसीआर कक्ष एवं एडिटिंग की जानकारी दी। स्टूडियो में लाइव, टेलीप्रॉम्प्टर, लाइट्स, प्रोफेशनल कैमरा, क्रोमा स्क्रीन आदि के बारे में विस्तृत से बताया गया। साथ ही तकनीक क्षेत्र में ध्यान देने योग्य बातें, साउंड व वीडियो का सही सामंजस्य, इफेक्ट्स आदि की जानकारी दी।

वहीं इंजीनियरिंग हेड शालनी गुप्ता ने तकनीकी विभाग के बारे में रूबरू करवाया। एवं यह भी बताया कि न्यूज एंकर को एंकरिंग के दौरान स्क्रिप्ट व तकनीक की जानकारी होना चाहिए, साथ ही प्रस्तुतिकरण का भी खास ध्यान रखना चाहिए। दूरदर्शन के लिए समाचार लिखने के तरीके, स्रोत, शब्दों का चयन, प्रस्तुतिकरण आदि की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त की जिनका समाधान श्री नीलम सोना जी एवं विभागीय विशेषज्ञों ने किया साथ ही सभी विद्यार्थी को दूरदर्शन केन्द्र रायपुर में टीवी प्रोडक्शन से जुड़े प्रत्येक कार्य को हमसे मिलकर प्रायोगिक तौर से करने की सलाह भी दी। शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के दौरान श्री अमितेश सोनकर, सेऊकदास, शोध छात्रा बिन्दु डडसेना का विशेष सहयोग रहा।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देखी दूरदर्शन की कार्यप्रणाली

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दूरदर्शन केंद्र रायपुर का किया भ्रमण

दिनांक – **09.05.2023**

"दिग्विजय कैम्पस" के 12 वें अंक का विमोचन किया गया।

पुरस्कार सम्मान—वार्षिक पदक वितरण समारोह में विभाग के छात्र—छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका समूह कार्यक्रम प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त